CMYK

Website:www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

वर्ष - 21 अंक-152, जगदलपुर, गुरुवार, 14 मार्च 2019 पृष्ठ- 8, मूल्य-₹ 2.00 • जगदलपुर • रायपुर • बिलासपुर से प्रकाशित

सेल सेल सेल

देवांगन बैग हाऊस

शहर की सबसे सस्ती दुकान

हाता ग्राउण्ड के सामने कपूर बेकरी के बगल में

जगदलपुर मो. 9424275800, 7566006605

एसी, एसी रॉयल, एसी सूट्स, एसी महाराजा सूट्स कमरा एवं रेस्टोरेंट सेवा उपलब्ध।

होटल आकांक्षा

रमैया वार्ड, जगदलपुर, जिला-बस्तर

फोन:-07782- 222349, 225335, 225336

मो:-9399972805, 8964911725, 8718844080

ब्रेकिंग न्यूज

ट्रेक्टर पलटा दो की मौत

जगदलपुर, 14 मार्च (हाईवे चैनल)। दलपत सागर रोड में एक दुर्घटना में दो लोगों की जान चली गई। आज सुबह जगदलपुर शहर से धरमपुरा की ओर जा रहा एक ट्रेक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया, ट्रेक्टर में पानी सप्लाई में उपयोग आने वाले पाइप रखे हुए थे। इन पाइप के नीचे दबने से ड्राइवर और हेल्पर की मौत हो गई, ट्रेक्टर में 6 लोग सवार थे। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने पाइप के नीचे से शवों को निकाल कर पीएम के लिए पहुंचाया। जानकारी के मुताबिक मृतक महाराष्ट्र के हैं जो यहां रोजगार की तलाश में आये हुए थे।

दम हो तो बंगाल से चुनाव लड़ें, हालत नोटबंदी जैसी होगी: ममता

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के मौसम में नेता अब एक दूसरे को चुनौती देने में जुट गए हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बुधवार को चुनौती दी कि यदि उनमें हिम्मत हो तो 2019 के चुनाव में बंगाल से चाहे जितनी सीटों से लड़कर दिखाएं। ममता ने कहा कि मोदी नोटबंदी के कदम की तरह यहां फेल हो जाएंगे। मोदी के बंगाल से लोकसभा चुनाव लड़ने की संभावना पर संवाददाताओं के एक सवाल के जवाब में बनर्जी ने कहा, कोई भी व्यक्ति किसी भी सीट से चुनाव लड़ सकता है। यह एक लोकतांत्रिक अधिकार है. मैं भी वाराणसी से लड़ सकती हूं, लेकिन यदि वह बंगाल से लड़ते हैं तो उनकी स्थिति नोटबंदी जैसी होगी। वह जनता की अदालत में दंडित किए जाएंगे। उन्होंने कहा, मैं समझती हूं कि देश को उन्होंने जो नुकसान पहुंचाया है, उसके लिए उन्हें लोगों को जवाब देना होगा। वह लड़ें, हमें बहुत खुशी होगी। यदि वह एक सीट से आश्वस्त नहीं हैं, तो सभी 42 सीटों पर लड़ें। पश्चिम बंगाल में 42 लोकसभा सीटें हैं। तृणमूल अध्यक्ष ने कहा कि लोकसभा चुनाव भाजपा के ताबूत की अंतिम कील होगी।

अक्षय कुमार चांदनी चौक से लड़ सकते हैं चुनाव

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसी)। चांदनी चौक टू चाइना का सफर तय करने वाले बॉलीवुड के मिस्टर खिलाड़ी अक्षय कुमार अब संसद तक का सफर तय कर सकते हैं। राजनीतिक गलियारे में इसकी चर्चा तेज है कि भाजपा द्वारा उन्हें चांदनी चौक सीट से लोकसभा का टिकट थमाया जा सकता है। इसे लेकर पार्टी का शीर्ष नेतृत्व उनके संपर्क में है। वैसे, हाल के वर्षों में भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अक्षय कुमार की नजदीकियां देखी जा रही हैं। कई मौकों में वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले हैं। अक्षय कुमार ने स्वच्छ भारत अभियान से जुड़े मुद्दे शौचालय पर सामाजिक संदेश देने वाली फिल्म बनाकर देशवासियों का भी दिल जीता।

इमरान खान इतने उदार हैं तो मसूद अजहर को भारत को सौंपें :सुषमा

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसी)। विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने पाकिस्तान को दो टूक कहा है कि आतंकवाद और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते हैं। जैश पर सख्त रुख अपनाते हुए विदेश मंत्री ने पाकिस्तान से मसूद अजहर को भारत को सौंपने की मांग की। विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने कहा, हम पाकिस्तान से आतंकवाद मुक्त माहौल में बातचीत के लिए तैयार हैं।

कुछ लोग कहते हैं कि इमरान खान स्टेट्समैन और उदारवादी हैं। अगर वे इतने उदार हैं तो मसूद अजहर को भारत को सौंप दें। आपको बता दें कि एक बार फिर जैश-ए-मोहम्मद का सरगना मसूद अजहर वैश्विक आतंकवादी घोषित होने से बच गया। चीन ने भारत की कोशिश को झटका देते हुए प्रस्ताव में रोड़े अटका दिए. चीन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में उसे वैश्विक आतंकी घोषित करने वाले प्रस्ताव पर तकनीकी रोक लगा दी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1267 अल कायदा सैंक्शन्स कमेटी के तहत अजहर को आतंकवादी घोषित करने का प्रस्ताव 27 फरवरी को फ्रांस, ब्रिटेन और अमेरिका ने लाया था। 14 फरवरी को जम्मू कश्मीर के पुलवामा में जैश-ए-मोहम्मद के फिदायीन ने सीआरपीएफ के काफिले पर हमला किया था, जिसमें 40 जवानों की मौत हो गई थी। इस हमले की वजह से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव पैदा हो गया था।

पीएनबी घोटाला: खाते फ्रीज फिर भी जमकर पैसे उड़ाते रहे नीरव मोदी और राहुल चौकसी

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसी)। पंजाब नेशनल बैंक को करोड़ों का चूना लगाकर भागे नीरव मोदी और मेहुल चौकसी के बारे में बड़ी बात सामने आई है। देश छोड़कर भागने और खाता फ्रिज होने के बाद भी नीरव और उसके परिवार वालों ने करोड़ों रुपए खर्च कर दिए हैं। जनवरी 2018 में आए 13,600 करोड़ के घोटाले के बाद से नीरव मोदी भारत छोड़कर ब्रिटेन में रह रहा है।

सूत्रों ने बताया कि सौमिल डायम एलएलसी नामक एक कंपनी का नीरव मोदी और उसके रिश्तेदार मेहुल चौकसी दोनों से संबंध है। इस कंपनी ने कॉरपोरेट क्रेडिट कार्ड के जरिए इन दोनों की पैसे निकालने में मदद की । सूत्रों की मानें तो नीरव और उसके परिवार ने मार्च 2018 से लेकर अक्टूबर 2018 इस कार्ड से करीब 50 करोड़ खर्च किए। गौरतलब है कि घोटाला सामने आने से पहले

नीरव मोदी और मेहुल चौकसी ने जनवरी 2018 में देश छोड़ दिया था।

नीरव मोदी मौजूदा समय में ब्रिटेन में है और कहा जा रहा है कि वह नया हीरे का बिजनेस शुरू करने वाला है। जबकि मेहुल चौकसी एंटीगुआ और बारबुडा का नागरिक बन गया है। यूएस द्वारा नियुक्त किए गए एक निरीक्षक की एक रिपोर्ट के मुताबिक सौमिल डायम एलएलसी नामक कंपनी ने ही 1,257 करोड़ से अधिक का फंड मुहैया कराया था। यह फंड फर्जी लेटर ऑफ अंडरटेकिंग के नाम निकाला गया था। 2016 से 2017 के दौरान गीतांजलि जेम्स लिमिटेड को लेटर ऑफ अंडरटेकिंग फंड के नाम पर 800 करोड़ भी इस कंपनी ने ही दिलाया था। इसके बाद इस कंपनी को नीरव मोदी की कंपनी सीनो ट्रेडर्स से 50 करोड़ रुपए मिले थे।और इसी दौरान मोदी की कंपनी फायरस्टार इंटरनेशनल लिमिटेड को 64 करोड़ रुपए ट्रांसफर किया गया था। इतना ही नहीं सौमिल डायम एलएलसी के जरिए ही 2016 में मोदी और चौकसी के फॉरेन लेटर्स ऑफ क्रेडिट के लिए भी रिपेयमेंट की रकम मुहैया कराई थी। बता दें कि जांच के मुताबिक सौमिल डायम हीरे और आभूषण की कंपनी है जिसका मालिक वितेश कोठारी है। जिसका सिर्फ एक ही कर्मचारी है और ऑनलाइन भी इस कंपनी की मौजदूगी काफी कम है और कंपनी की कोई वेबसाइट नहीं है।

अमेरिका भारत में करेगा 6 न्यूक्लियर पावर प्लांट का निर्माण

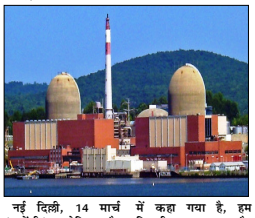

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसी)। अमेरिका और भारत सुरक्षा व असैन्य परमाणु सहयोग को मजबूत करने और भारत में 6 अमेरिकी परमाणु ऊर्जा संयंत्र बनाने पर सहमत हुए हैं।

दोनों देशों ने एक संयुक्त बयान में यह जानकारी दी है। आपको बता दें कि वाशिंगटन में दो दिनों तक चली बातचीत के बाद दोनों देश इस मसौदे पर सहमत हुए। भारत की तरफ से विदेश सचिव विजय गोखले और अमेरिका के स्टेट फॉर आर्म्स कंट्रोल एंड इंटरनेशनल सिक्योरिटी विभाग की अंडर सेक्रेटरी एंड्रिया थॉम्पसन ने बातचीत में हिस्सा लिया। दोनों देशों के संयुक्त बयान में कहा गया है, हम द्विपक्षीय सुरक्षा और असैन्य परमाणु सहयोग को मजबूत करने के साथ-साथ भारत में 6 अमेरिकी परमाणु ऊर्जा संयंत्र के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं। हालांकि बयान में परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के बारे में और जानकारी नहीं दी गई है। गौरतलब है कि डोनाल्ड ट्रंप की अगुवाई में अमेरिका दुनिया के तीसरे सबसे बड़े तेल खरीददार भारत में तमाम संभावनाएं देख रहा है और इसी कड़ी में वह भारत को और ऊर्जा उत्पाद बेचना चाहता है। आपको बता दें कि दोनों देश करीब एक दशक से भारत को अमेरिकी न्यूक्लियर रिएक्टर्स की आपूर्ति पर मंथन कर रहे थे।

15 मिनट के इंतजार के बाद भीम आर्मी चीफ से मिल पाईं प्रियंका,नाराज मायावती कर सकती हैं पलटवार

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी बुधवार को भीम आर्मी के प्रमुख चंद्रशेखर रावण से मिलने मेरठ के अस्पताल पहुंचीं। करीब 15 मिनट इंतजार करने के बाद प्रियंका चंद्रशेखर से मिलीं। इस दौरान उनके साथ पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रभारी ज्योतिरादित्य सिंधिया और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राज बब्बर भी थे। मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक प्रियंका से मिलने के बाद चंद्रशेखर ने कहा मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ने के लिए वाराणसी जाऊंगा।

प्रियंका जब अस्पताल पहुंचीं तो चंद्रशेखर के समर्थकों ने उनका रास्ता रोक दिया। आखिरकार 15 मिनट समझाने के बाद प्रियंका को चंद्रशेखर से मिलने दिया गया। इस दौरान प्रियंका ने योगी सरकार पर निशाना साधा और कहा कि नौजवान की आवाज दबाई जा रही है। योगी सरकार अहंकारी हो गई है। पत्रकारों के सवाल पर प्रियंका ने कहा, आप चाहें तो इसका राजनीतिकरण कर सकते हैं, मैं नहीं करूंगी, मुझे इस लड़के का संघर्ष पसंद आया। मैं पहले चंद्रशेखर से मिलूंगी, आप बाहर जाएं। चंद्रशेखर ने कहा, मेरा कांग्रेस से कोई लेना-देना नहीं है। मैं

गठबंधन के साथ हूं और कहीं से भी चुनाव नहीं लड़ना चाहता। लेकिन महागठबंधन ने चाहा तो मैं नरेंद्र मोदी के सामने चुनाव लड़ूंगा। प्रियंका की चंद्रशेखर से मुलाकात पर सियासत गर्म है। बताया जा रहा है कि इमरान मसूद की पहल पर यह मुलाकात हुई है। बता दें कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रियंका गांधी के इस कदम से बसपा प्रमुख मायावती नाराज हो गई हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार एक दिन पहले समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात के दौरान भी मायावती ने यह मुद्दा उठाया था। मायावती और अखिलेश यादव की बातचीत में कांग्रेस को झटका देने पर सहमति बन गई है और इसके लिए गठबंधन की ओर से अमेठी और रायबरेली सीट पर भी प्रत्याशी उतारा जा सकता है। यह भी कहा जा रहा है कि अगले दो दिनों में अमेठी और रायबरेली सीट को लेकर गठबंधन की ओर से बड़ा फैसला हो सकता है। इससे पहले गठबंधन ने अमेठी और रायबरेली सीट को छोड़कर उत्तर प्रदेश की सभी सीटों पर उम्मीदवार उतारने का ऐलान किया था। प्रियंका ने भीम आर्मी प्रमुख से बंद कमरे में मुलाकात की। अस्पताल पहुंचने पर स्थानीय कांग्रेसियों को भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने भगा दिया। चंद्रशेखर का हालचाल जानने के बाद प्रियंका अपने काफिले के साथ वहां से निकल गईं। गौरतलब है कि भीम आर्मी के मुखिया चंद्रशेखर को आचार संहिता के उलंघन में सहारनपुर के देवबंद से हिरासत में ले लिया था, जिसके बाद उनकी हालत बिगड़ गई थी।

करतापुर कॉरिडोर: बॉर्डर पर पहुंचे भारत और पाक के अधिकारी

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के डेलिगेशन आज करतारपुर कॉरिडोर बनाने के तौर-तरीकों पर बातचीत के लिए मिल रहे हैं। यह बैठक वाघा-अटारी बॉर्डर पर होगी, जहां भारतीय प्रतिनिधियों का दल पहुंच चुका है। यह कॉरिडोर पाकिस्तानी शहर करतारपुर में स्थित गुरुद्वारा दरबार साहिब को पंजाब के गुरदासपुर शहर से जोड़ेगा। बताया जा रहा है कि इस दौरान भारतीय दल पाकिस्तान के सामने खालिस्तानी अलगाववादियों के दुष्चक्र के मुद्दे को भी उठाएगा।

इस बातचीत में भारत पाकिस्तान जाने वाले भारतीय तीर्थयात्रियों की बाधा रहित यात्रा की बात रख सकता है। साथ में, इस्लामाबाद से यह भी कह सकता है कि वह तीर्थयात्रियों को खालिस्तानी अलगाववादियों के प्रोपेगेंडा से बचाए। पिछले साल पाकिस्तान में गुरुद्वारों की ओर जाते हुए भारतीय तीर्थयात्रियों को खालिस्तान समर्थक बैनर दिखाए जाने की रिपोर्ट हैं।

सूत्रों का कहना है कि भारत के डेलिगेशन में गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, बीएसएफ, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग विकास प्राधिकरण और पंजाब सरकार के प्रतिनिधि होंगे। बैठक को कवर करने के लिए आना चाह रहे पाकिस्तानी पत्रकारों को वीजा देने से इनकार करने पर सूत्रों ने कहा कि यह कोई सार्वजनिक कार्यक्रम नहीं है जिसे प्रचार की जरूरत हो। गौरतलब है कि भारत द्वारा पाकिस्तान में घुस कर जैश-ए-मोहम्मद के प्रशिक्षण शिविरों पर हवाई हमले करने और उसके बाद पाकिस्तान की जवाबी कार्रवाई के बाद दोनों मुल्कों के मध्य बढ़े तनाव के बीच यह बैठक हो रही है।

प्रतिष्ठापूर्ण सीटों में कांग्रेस के समक्ष रहेगी चुनौती

रायपुर, 14 मार्च (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव को लेकर राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दल पूरी तरह से चुनावी समर में दिखलाई पड़ रहे है। इसमें बहुत जल्द प्रत्याशियों की घोषणा होने वाली है वहीं निर्वाचन आयोग ने तैयारियां तेज कर दी है। चुनाव आचार संहिता के लागू होने के साथ ही अब दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप के साथ द्वंद्व युद्ध छिड़ गया है। हालांकि प्रदेश में सत्तारूढ़ कांग्रेस दल के लिए राज्य की 11 लोकसभा सीट में 3 सीट काफी चुनौतीपूर्ण बन रही है। वहीं 3 चुनाव से भाजपा के गढ़ को भेदने के लिए कांग्रेस को काफी मेहनत करनी होगी। जहां 2014 में भाजपा 10 और कांग्रेस 1 सीट पर थी। वहीं 2009 और 2004 में कमोबेश यहीं स्थिति रही थी। ऐसे में प्रदेश की सरकार में होने के बाद कांग्रेस को 11 में से अधिकांश सीट जीतने के लिए काफी कुछ दांव में लगाना पड़ सकता है। जो प्रत्याशी चयन के साथ, चुनावी मुद्दे और तमाम अन्य व्यवस्थाएं होंगी। हालांकि हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में परिवर्तन की लहर ने कांग्रेस को एकतरफ जीत दी। किंतु फरवरी माह में देश के आतंरिक और बाह्य तौर पर घटित घटनाओं के चलते आम जनमानस के मुद्दे बदल गए है। अब देश में एक बार फिर आम मतदाता राष्ट्र प्रेम, बेरोजगारी, गरीबी और महिलाओं के आरक्षण के मुद्दे पर चुनाव मतदान करने जा रहा है। यहीं कारण है कि केंद्र और राज्य की सरकारें ने पिछले दिनों आचार संहिता लागू होने के पहले काफी कुछ नई घोषणाएं की है जो आम मतदाता को प्रभावित करने वाली है। फिर भी देश का नागरिक देश प्रेम के मुद्दे पर एकजुट है जो एक महत्वपूर्ण मुद्दा 2019 के चुनाव का बनने जा रहा है।

गौरतलब है कि प्रदेश की जिन 3 सीटों में सत्तारूढ़ कांग्रेस को कठिनाई और चुनौती मिलने जा रही है उसमें सर्वाधिक महत्वपूर्ण लोकसभा सीट बिलासपुर की है। क्योंकि हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में बिलासपुर में जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ के पास दो सीटें, कांग्रेस के पास 2 सीटें और भाजपा के पास सर्वाधिक 4 सीटे रही है। ऐसे में इस लोकसभा चुनाव में 8 विधानसभा क्षेत्र वाले बिलासपुर सीट को जीतने के लिए कांग्रेस को काफी कुछ बदलाव करना होगा। जो प्रत्याशी चयन के साथ स्पष्ट हो जाएगा। वर्तमान में जेसीसी के पास कोटा और लोरमी की विधानसभी

3 चुनाव में भाजपा के किले को भेदने करनी होगी मेहनत

सीटे हैं। कांग्रेस के पास बिलासपुर और तखतपुर है जबकि भाजपा के पास बिल्हा, मुंगेली, मस्तुरी और बेलतरा सीटे हैं इसलिए लगभग इस सीट में जीत पाने के लिए कांग्रेस दल को हर कुछ नया ढंग से सोचना होगा। जांजगीर-चांपा लोकसभा सीट में 7 विधानसभा सीट में से कांग्रेस के पास 4, बीजेपी के पास 2, और बीएसपी के पास 2 सीटे है। लिहाजा यह लोकसभा सीट महत्वपूर्ण मानी जा रही है। जहां अकलतरा और जांजगीर-चांपा विधानसभा सीटे बीजेपी के पास है। वहीं जैजैपुर और पामगढ़ बीएसपी के पास है लेकिन कांग्रेस के पास कसडोल, बिलाईगढ़, सक्ती और चंद्रपुर है। ऐसे में इसी सीट को लोकसभा के लिए कांग्रेस का बनाना काफी महत्वपूर्ण होते जा रहा है। महासमुंद लोकसभा सीट में 8 विधानसभा सीटों में 3 बीजेपी और 4 कांग्रेस के पास है। इसलिए यह मान लिया जाना चाहिए कि कांग्रेस को महासमुंद लोकसभा सीट जीतने के लिए बिन्दानवागढ़, कुरूद और धमतरी को जीतना होगा। तभी लोकसभा सीट पर काबिज होने की बात सोची जा सकती है। वैसे 2004 के बाद से कांग्रेस लोकसभा चुनाव जीतने के लिए तड़प रही है। इस बार मौका है क्योंकि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार है इसके अलावा काफी कुछ स्थितियां और परिस्थितियां उनके अनुसार काम कर रही है। परंतु भाजपा का दावा है कि वे 2019 में 2014 वाली स्थिति को बनाए रखने में सफल होंगे। किंतु भाजपा के रायपुर लोकसभा सीट से सांसद बैस को फिर मौके देने की बात कही जा रही है जो कांग्रेस के पक्ष में हो सकती है। क्योंकि सांसद बैस उतने सक्रिय नहीं रहे है जितना एक सांसद को अपने लोकसभा क्षेत्र में होना चाहिए। यहां तक कि केंद्र में केंद्रीय मंत्री बनने के अवसर बैस के सांसद रहते हुए प्रदेश को नहीं मिल पाया। अंततः कांग्रेस बैस के सामने एक अच्छा प्रत्याशी उतारकर चुनाव को रोचक बना सकती है। लेकिन भाजपा का मंथन आने वाले दो तीन दिन में बदल सकता है और एक ऐसे नेता को मौका मिल सकता है जो किसी खास वर्ग का प्रतिनिधित्व कर लोकसभा सीट जीतने के लिए सक्षम उम्मीदवार होंगे। फिलहाल प्रतिष्ठापूर्ण तीन सीट महासमुंद, जांजगीर-चांपा और बिलासपुर वर्तमान सत्तारूढ़ सरकार के लिए चुनौतीपूर्ण है।

CMYK